संख्या–1031/43–2–2012

प्रेषक,

प्रभात कुमार सारंगी,
प्रमुख सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

1– महानिदेशक,
उ0प्र0, प्रशासन एवं प्रबन्ध अकादमी।

2– निदेशक,
सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबन्ध संस्थान।

3– महानिदेशक,
दीनदयाल उपाध्याय ग्राम्य विकास,
प्रशिक्षण एवं अनुसंधान।

प्रशासनिक सुधार अनुभाग–2 लखनऊ दिनांक 11 सितम्बर, 2012

विषयः– जनता से सीधे जुड़े हुए विभागों में सेवोत्तम मॉडल विकसित किये जाने हेतु प्रशिक्षण के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया प्रशासनिक सुधार अनुभाग–2 के पत्र संख्या– 572/43–2–2012, दिनांक 12 अप्रैल, 2012 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें जो जनता से सीधे जुड़े हुए विभागों (संख्या– 42) में सेवोत्तम मॉडल विकसित किये जाने हेतु कार्मिकों को प्रशिक्षण दिये जाने के सम्बन्ध में है।

2– उपरोक्त पत्र में आपसे यह अनुरोध किया गया था कि प्रशिक्षण संस्थान में समय–समय पर आयोजित किये जाने वाले समस्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों में "सेवोत्तम मॉडल विकसित किया जाना" विषय को अनिवार्य रूप से सम्मिलित किया जाये।

3– सेवोत्तम (सेवा+उत्तम) एक सेवा प्रदान करने वाला उत्कृष्ठता मॉडल है। विभागों में सेवोत्तम मॉडल विकसित किये जाने हेतु दिशा निर्देश एवं प्रशिक्षण की आवश्यकता है। अतः इस सम्बन्ध में मुझसे यह कहने की अपेक्षा की गई है कि कृपया यह अवगत कराने का कष्ट करें कि सेवोत्तम मॉडल के प्रशिक्षण कार्यक्रम में अब तक कितने सत्र आयोजित किये गये हैं तथा कितने अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त इस कैलेण्डर वर्ष के प्रशिक्षण कार्यक्रम की एक प्रति भी प्रशासनिक सुधार विभाग को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

भवदीय,
10-09-12
(प्रभात कुमार सारंगी)
प्रमुख सचिव।